

Padma Shri



DR. BHUPENDRA KUMAR SINGH SANJAY

Dr. Bhupendra Kumar Singh Sanjay is a world renowned Orthopaedic Surgeon from Dehradun who has given his distinguished medical and social services to the public by saving hundreds of lives and limbs inflicted with trauma and tumours. His name has been recorded in the Guinness Book of World Records and Limca Book of Records for his outstanding surgical achievements and in India Book of Records for social services. He is Director of Sanjay Orthopaedic, Spine and Maternity Centre, Rajpur Road, Dehradun.

2. Born on 31st August 1956, Dr. Sanjay received his basic Orthopaedic Education and training from India and higher Orthopaedic training and Fellowship from Sweden, Switzerland, Japan, USA, Australia and Russia. He has presented more than 100 papers in various national and international conferences and published his academic work in top rated indexed international journals. He has been honoured to deliver lectures at various Universities in Australia, Japan, Malaysia, New Zealand, Singapore and USA. He is the Founder President of Uttaranchal State Chapter of Indian Orthopaedic Association and a member and fellow of many national and international professional bodies. He has been Advisor to State and UPSC Selection Boards. Currently, he is a member of Executive Council of HNB Uttarakhand Medical Education University, Dehradun.

3. Dr. Sanjay had set a world record under the category of Largest Bone Tumor Removal. He had removed the largest bone tumor of the femur with weight of 16.5 Kg and circumference of 97 cm (almost 1 metre). This record featured in Guinness Book of World Records in 2005. His name also features in Limca Book of Records in 2002, 2003, 2004 and 2009 for different innovative and successful surgical achievements, like hip replacement surgery in a 98 years old high-risk patient, re-implantation of autoclaved (steam sterilized) tumor bone to save the limb and life of bone cancer patient, for doing a successful spine operation in an 88 year old man.

4. Dr. Sanjay is regularly giving his services through free camps for patients disabled from Polio and Cerebral Palsy and has done more than 5000 operations in Polio and Cerebral Palsy children and made their life better through his surgical skills in his 40 years of Orthopaedic career. He has organized more than 200 free health camps in remote and hilly areas to serve the poor and needy which had been recorded in India Book of records in 2017. He is giving free orthopaedic consultation to B.P.L. card holders weekly and distributing a free monthly Health Post newspaper to his patients since 2014.

5. Dr. Sanjay has seen various aspects of road traffic accidents in his 40 years of his professional career. Seeing the personal, social and financial suffering of victims of road traffic accidents and being an Orthopaedic Surgeon, he has taken a resolve to increase awareness among the affected and the general public about the impact of road traffic accidents in India. He started a public awareness campaign since 2002 spreading awareness to prevent road traffic accidents regularly by various mass media programme on AIR, Doordarshan, FM Radio and by writing guest columns in one of the leading Indian newspapers. He and his team has delivered almost 200 free public awareness lectures in different educational institutions in Uttarakhand and its neighboring states. This social service has been commended by Uttarakhand Transport Minister and Director Traffic, Uttarakhand. This record is also accepted for publication in India Book of records in 2020 for his rare social achievements.

6. Dr. Sanjay has been honoured for his distinguished services to the humanity by various professional and social organization like American Biographical Institute USA, SICOT Foundation France award 1996, Dr. Durga Prasad Lokpriya Chikitsak Puruskar 2002, Uttarakhand Ratna 2002, Uttaranchal Gaurav 2003, Nation Builders Award 2011, Mussoorie Ratna 2014, Best Personality Award 2015, Health Icon Award 2016, National Healthcare Excellence Award 2016, President Appreciation Award IMA, Dehradun 2017, Best Orthopaedic Surgeon in India Award 2017 and Six Sigma Healthcare Excellence Award 2019, Corona Warriors award 2020, unstoppable COVID 19 fighter and Corona Warrior Samman and Seva Ratna Samman etc.



डॉ. भूपेन्द्र कुमार सिंह संजय

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सिंह संजय देहरादून के एक विश्वविख्यात ऑर्थोपेडिक सर्जन हैं, जिन्होंने ट्रॉमा और ट्यूमर से पीड़ित सैकड़ों लोगों की जान बचाकर जनसाधारण को अपनी विशिष्ट चिकित्सा और सामाजिक सेवाएं प्रदान की हैं। सर्जरी में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में और समाज सेवा के लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। वे संजय ऑर्थोपेडिक, स्पाइन एंड मेटरनिटी सेंटर, राजपुर रोड, देहरादून के निदेशक हैं।

2. 31 अगस्त 1956 को जन्मे डॉ. संजय ने अपनी बेसिक ऑर्थोपेडिक शिक्षा और प्रशिक्षण भारत में और उच्च ऑर्थोपेडिक प्रशिक्षण तथा फेलोशिप स्वीडन, स्विजरलैंड, जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और रूस में प्राप्त की। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 100 से ज्यादा पेपर प्रस्तुत किए हैं और उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके शैक्षिक शोध प्रकाशित हुए हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया, जापान, मलेशिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर और संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में व्याख्यान देने का गौरव प्राप्त है। वे इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के उत्तरांचल स्टेट चैप्टर के संस्थापक अध्यक्ष हैं और कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रोफेशनल संस्थानों के सदस्य तथा फेलो हैं। वे राज्य तथा यूपीएससी चयन बोर्डों के सलाहकार रहे हैं। वर्तमान में, वे एचएनबी उत्तराखंड मेडिकल एजुकेशन यूनिवर्सिटी, देहरादून के कार्यकारी परिषद के सदस्य हैं।

3. डॉ. संजय ने सबसे बड़ा बोन ट्यूमर निकालने के मामले में विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने जांघ की हड्डी का 16.5 किग्रा भार और 97 सेंमी (लगभग 1 मीटर) का सबसे बड़ा बोन ट्यूमर निकाला। यह रिकॉर्ड 2005 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल हुआ। सर्जरी में प्राप्त विभिन्न अभिनव और सफल उपलब्धियों के लिए उनका नाम 2002, 2003, 2004 और 2009 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हुआ। इन उपलब्धियों में 98 वर्षीय हाई-रिस्क मरीज की हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी, एक बोन कैंसर मरीज के अंग और जीवन को बचाने के लिए ऑटोक्लेव्ड (स्टीम स्टेरिलाइज्ड) ट्यूमर बोन का री-इंफ्लान्टेशन, एक 88 वर्षीय बुजुर्ग की रीढ़ की हड्डी का सफल ऑपरेशन शामिल हैं।

4. डॉ. संजय पोलियो और सेरेब्रल पाल्सी से विकलांग हो गए मरीजों के लिए निःशुल्क शिविरों के माध्यम से नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं और उन्होंने पोलियो तथा सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित 5000 से ज्यादा बच्चों के ऑपरेशन किए हैं और अपने 40 साल के ऑर्थोपेडिक करियर में अपने सर्जिकल कौशल से उनका जीवन बेहतर बनाया है। उन्होंने गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए दूरस्थ और पहाड़ी इलाकों में 200 से ज्यादा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जिसे 2017 में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। बीपीएल कार्ड धारकों को वे साप्ताहिक तौर पर निःशुल्क ऑर्थोपेडिक परामर्श प्रदान करते हैं और 2014 से अपने मरीजों को निःशुल्क एक मासिक हेल्थ पोस्ट समाचारपत्र वितरित कर रहे हैं।

5. डॉ. संजय ने अपने 40 साल के प्रोफेशनल करियर में सड़क दुर्घटनाओं के विभिन्न पहलुओं को बारीकी से देखा है। सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के व्यक्तिगत, सामाजिक और आर्थिक कष्ट को देखते हुए और एक ऑर्थोपेडिक सर्जन होने के नाते, उन्होंने भारत में सड़क दुर्घटनाओं के प्रभाव के बारे में पीड़ितों और आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया है। उन्होंने नियमित रूप से आकाशवाणी, दूरदर्शन, एफएम रेडियो पर विभिन्न मास मीडिया कार्यक्रमों के द्वारा और एक प्रमुख भारतीय समाचार-पत्र में गेस्ट कॉलम लिखकर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए 2002 से एक जन-जागरूकता अभियान शुरू किया। उन्होंने और उनकी टीम ने उत्तराखंड और उसके पड़ोसी राज्यों में विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में लगभग 200 निःशुल्क जन जागरूकता लेक्चर दिए हैं। उनकी इस समाज सेवा की सराहना, उत्तराखंड के परिवहन मंत्री और ट्रैफिक निदेशक उत्तराखंड द्वारा की गई है। उनकी अनूठी सामाजिक उपलब्धियों के लिए इस रिकॉर्ड को 2020 में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया गया है।

6. डॉ. संजय को मानवता के प्रति उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए विभिन्न प्रोफेशनल और सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है, अमेरिकन बायोग्राफिकल इंस्टीट्यूट, संयुक्त राज्य अमेरिका, इन पुरस्कार और सम्मान को सिकॉट फाउंडेशन फ्रांस अवार्ड 1996, डॉ. दुर्गा प्रसाद लोकप्रिय चिकित्सक पुरस्कार 2002, उत्तराखंड रत्न 2002, उत्तरांचल गौरव 2003, नेशन बिल्डर्स अवार्ड 2011, मसूरी रत्न 2014, बेस्ट पर्सनेलिटी अवार्ड 2015, हेल्थ आइकन अवार्ड 2016, नेशनल हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड 2016, प्रेसीडेंट एप्रिसिएशन अवार्ड आईएमए, देहरादून 2017, बेस्ट ऑर्थोपेडिक सर्जन इन इंडिया अवार्ड 2017 और सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड 2019, कोरोना वारियर्स अवार्ड 2020, अनस्टॉपेबल कोविड 19 योद्धा और कोरोना योद्धा सम्मान और सेवा रत्न सम्मान इत्यादि शामिल हैं।